उदारीकरण का अर्थ (Liberalization) → उदारीकरण से तात्पर्य नियमों या कानूनों पर सरकारी संस्था के नियंत्रण से पूर्ण या आंशिक शिथिलता से है। उदारीकरण वस्तुतः राज्य के अधिकार क्षेत्र को सीमित करके व्यक्ति, संस्था या अभिकरणों को राज्य की सत्ता से मुक्त कराता है। अर्थात् उदारवादी दृष्टिकोण से धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक या नैतिक हस्तक्षेप से स्वतंत्रता का भाव निहित रहता है। यह समाज के स्थान पर समान उद्देश्य व्यक्तियों के प्रति आस्था व प्रतिबद्धता वाली नीतियों का पोषक होता है। उदारवाद ने ही सत्ता के केन्द्रीकरण का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी व्यवस्था का खण्डन करने का साहस किया। सामाजिक क्षेत्र में इसने धर्म निरपेक्षता को पोषित करने व जाति व्यवस्था का खण्डन किया है। आर्थिक क्षेत्र में यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है तथा राजनैतिक क्षेत्र में यह संसदीय लोकतंत्र को पुष्ट करता है। शिक्षा के अर्थ व स्वरूप के साथ-2 शिक्षा के उद्देश्यों, पाठ्यक्रम व विधियों को एक सकारात्मक परिवर्तन के दौर से गुजरना पड़ा है। शिक्षा के क्षेत्र में उदारीकरण से अभिप्राय शिक्षा संस्थाओं की स्थापना व संचालन में एवं शैक्षिक कार्यक्रमों के नियोजन, क्रियान्वयन तथा पर्यवेक्षण में उदार दृष्टिकोण अपना कर उन्हें रूढ़ सरकारी लाल-फीताशाही से बचाना है। उदारीकरण को शिक्षा के सार्वजनीकरण की दिशा में एक ऐसा सकारात्मक प्रयास माना जाता है जो शिक्षा व्यवस्था को रूढ़िवादी दृष्टिकोण से छुटकारा दिलाकर वंचित वर्गों, महिलाओं, निर्धनों आदि सहित अधिक से अधिक लोगों से गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने की

Scanned with CamScanner

अपेक्षा से मुक्त है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली, सम्प्रेषण संसाधनों का विपुल प्रयोग तथा छात्र केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था वस्तुतः शिक्षा के क्षेत्र में आयी उदारीकरण प्रवृत्ति का परिणाम कहा जा सकता है।

उदारीकरण के उदर में रोजगार श्रमिक असंतोष →

सरकार का राजनीतिक नारा था कि उदारीकरण और निजीकरण की नीतियों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, गरीबी और बेरोजगारी दूर हो जायेगी, परन्तु इसका परिणाम उल्टा ही निकला। उदाहरण उक्त नीतियों के उदर में रोजगार पूर्णतः समा चुका है। देश के रोजगार कार्यालयों में मैले रजिस्टर में उदारीकरण के पहले यानी 31 दिसम्बर 1990 को 2 करोड़ 11 लाख लोगों के नाम दर्ज थे, जो दिसम्बर 2000 में बढ़कर 4 करोड़ 13 लाख हो गये जबकि राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के मुताबित पिछले 10 वर्षों में जनसंख्या में वार्षिक वृद्धि दर औसतन करीब 2 प्रतिशत सलाना होगी। नेशनल सैम्पल सर्वे आर्गेनाइजेशन के मुताबिक 1997 से 2002 के बीच श्रम शक्ति में 2.5 प्रतिशत की दर से सालाना वृद्धि हुई। परन्तु रोजगार में वृद्धि दर बेशक इससे कम है। सन 1991-92 से 2000-01 के बीच औसतन वार्षिक सकल विकास दर 5.8 प्रतिशत रही, परन्तु संगठित क्षेत्रों में रोजगार वृद्धि की दर पिछले 9 सालों में अर्थात 1991-99 के बीच औसत 0.83 प्रतिशत रह गयी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। यह दर 1996 के 1.51 प्रतिशत से गिरकर 1997 में 1.09, 1998 में 0.46 और 1999 में 0.04 प्रतिशत रह गयी।

Scanned with CamScanner

महत्व।

TET-EG (5)

लाल फीताशाही - जब अत्यधिक नियमों के कारण अनावश्यक विलम्ब किया जाता है तो इसे लाल फीताशाही कहते है। प्राय: यह सरकारी संगठनों में तथा बड़े निजी संगठनों में देखने को मिलता है। सरकारी कार्यों में हुई देर के लिए खासकर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है।

* पहले टेबल पर एक फाइल लाल फीते से बाँध कर रख दिया जाता था और उस पर कोई कार्यवाही नहीं होती थी तो इसी को लाल फीताशाही कहते है।

Scanned with CamScanner